took place causing loss of precious lives and property. Furthermore, such disruptions caused stress on the railway staff involved in the running of long distance trains. Due to scarce staff, the rest hours of the drivers and guards were curtailed and they were asked to resume arduous duties. Such annual disruption is also a reflection on the functioning of railways that the phenomenon of fog recurs every winter and yet left unattended and no technological solutions have been explored particularly when there has been greater stress over passengers' satisfaction and railway safety.

I call upon the Government to take expeditious steps to develop the solutions indigenously or import the technology from the nations facing similar crisis. Communications system should be developed. The enquiry system should be made more efficient to give updated information. Authorities at railway stations should be ready to arrange for contingencies and the passengers' amenities at the stations should be enhanced.

Demand to give approval for construction of a dam at the confluence of five rivers in Jalau District of Uttar Pradesh

श्री बृजलाल खाबरी (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में यमुना, चम्बल, कुवॉरी, सिंघ एवं पहुज, इन पाँच नदियों का संगम होता है, जिसे पंचनद के नाम से जाना जाता है। प्रत्येक वर्ष बरसात में वर्षा का अत्यधिक पानी इन नदियों में आता है, किन्तु बांध न होने के कारण बेकार बहकर निकल जाता है। यह क्षेत्र पूर्णत: कृषि पर आधारित है तथा लोगों के भरण-पोषण के लिए दूसरा कोई अन्य साधन क्षेत्र में उपलब्ध नहीं है। विगत कई वर्षों से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के किसान भीषण सूखा पड़ने के कारण परेशान व क्षेत्र से पलायन करने को मजबूर हैं। जमीन का जल-स्तर बहुत नीचे चला गया है। क्षेत्र में बिजली की कमी है जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। उत्तर प्रदेश सरकार के पास सीमित संसाधन हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 1982 में पंचनद पर बांध बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई थी, जिसमें कुल 764 मीटर लम्बे बैराज का निर्माण प्रस्तावित था, जिसमें 12 मीटर के 40 पियर होंगे और जिसकी जीवन्त क्षमता 3570 मिलियन घन मीटर (2.9 मिलियन एकड़ फुट) होगी। इस बैराज के बनने से 6 पियर (17 मीटर की मोटाई के) टाइप पावर यूनिटों का प्रावधान था, जिनमें 90 मेगावाट से कुल 410 मिलियन यूनिट विद्युत पैदा होगी। इस प्रस्ताव में जलाशय के दोनों तटों पर एक-एक लिफ्ट फीडर कैनाल का प्रावधान था। इस परियोजना से बिजली व पानी दोनों समस्याओं से क्षेत्र की सम्मानित जनता को छुटकारा मिलेगा तथा सूखे की स्थिति से हमेशा के लिए निपटा जा सकेगा।

मैं सदन के माध्यम से माननीय जल संसाधन मंत्री से अनुरोध करता हूँ कि जनपद जालौन, उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित पंचनद बांध के निर्माण को स्वीकृति प्रदान कर तुरन्त कार्य प्रारम्भ कराने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने का कष्ट करें।

Demand to increase supply of railway wagons for transportation of salt in Gujarat

श्री नतुजी हालाजी ठाकोर (गुजरात) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीया रेल मंत्री और सदन का ध्यान गुजरात के नमक उद्योग को अपर्याप्त मात्रा में रेल वैगनों की आपूर्ति के संबंध में आकर्षित करना चाहता हूं।